Ques → अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष से आप क्या समझते हैं। इसके कार्यों का संक्षेप में वर्णन करें।

Ans → I.M.F और I.B.R.D दो ऐसी जुड़वा बहनों की समान अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक संस्थाएँ हैं जिनकी स्थापना जुलाई 1944 ई० में अमेरिका के Bretton Woods नामक स्थान पर संसार के 44 देशों प्रतिनिधियों के सम्मेलन में एक प्रस्ताव के द्वारा हुई। भारत इसका प्रारम्भ से ही जन्मदाता सदस्यों में एक है। I.M.F का पुराना नाम International Monetary Fund या अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष होता है। इस संस्था का गठन मुख्य रूप से अल्पकालीन अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक समस्याओं के निराकरण के लिए हुआ। जबकि I.B.R.D या विश्व बैंक दीर्घकालीन अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक समस्याओं के निराकरण के लिए स्थापित हुआ।

दोनों विश्वयुद्ध के पूर्व अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक समस्याएँ जटिल नहीं थी, क्योंकि उस समय स्वर्णमान था। स्वर्णमान के अन्तर्गत दो देशों के मुद्रा के बीच विनिमय मूल्यों का निर्धारण आसानी से हो जाता था। अधिकांश देश मुक्त व्यापार नीति और स्वर्णमान के सुनहले नियम अथवा Golden rule of gold standard का पालन करते थे, किन्तु प्रथम विश्वयुद्ध के बाद ही क्रमशः ~~स्वर्ण~~ स्वर्णमान का पतन होने लगा। अर्थव्यवस्था जटिल और अनियंत्रित हो गयी। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद तो स्वर्णमान का नाम लेनेवाला भी कोई देश नहीं ~~बचा~~ बचा। इसलिए प्रो० Halm ने कहा है कि स्वर्णमान एक ऐसा जहाज था, जो मौसम साफ होने पर ही किनारे लग सकता था। सामुद्रिक झंझावातों में इसका टीका रहना संदेहास्पद था। इन्हीं के शब्दों में "Gold standard was a fair weather craft doubtful of seaworthiness in stormy waters".

Ultimately पत्र-मुद्रा का प्रचलन बढ़ा। पत्र मुद्रा के अन्तर्गत दो देशों के मुद्रा के बीच विनिमय दर निर्धारित करने में कठिनाई हुई। हर देश अपनी मुद्रा का अन्तर्राष्ट्रीय मूल्य मनमाने ढंग से

निर्धारित करने लगे जिससे कई अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक समस्याएँ खड़ी हो गयी। मुख्य रूप से इन्हीं समस्याओं को निराकरण के लिए I.M.F का गठन हुआ।

संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर में यह स्वीकार किया गया है कि विश्व मानव को युद्ध की विभीषिका से बचाने के लिए आर्थिक दृष्टिकोण से पिछड़े देशों से मौद्रिक असंतुलन से ग्रसित देशों की सहायता करनी पड़ी। I.M.F और I.B.R.D की स्थापना अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग के द्वारा अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन मौद्रिक समस्याओं का निराकरण भी है।

I.M.F का गठन मुख्य रूप से संसार के दो प्रसिद्ध अर्थशास्त्री Prof. Keynes और Prof. व्हाइट की योजना पर आधारित है। Keynes Plan England के द्वारा और White Plan अमेरिका के द्वारा प्रस्तुत हुआ था। I.M.F इन दो महान अर्थशास्त्री के द्वारा दिए गए विचारों का समीक्षण है।

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का निर्माण मुख्य रूप से एक केन्द्रीय बैंक की धारणा के आधार पर की गई है। जिस तरह हर देश में एक केन्द्रीय बैंक होता है, उसी तरह अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक समस्याओं के निराकरण के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना हुई है। प्रो० Halm ने अपनी पुस्तक Monetery theory में ठीक ही कहा है कि — International monetery fund will be a bank of centeral banks, the capstone in the world's monetery system.

इस तरह अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष एक ओर तो हर देश की अपनी आन्तरिक मौद्रिक व्यवस्था की सार्वभौमिकता को स्वीकार करती है और दूसरी ओर यह स्वर्णमान के गुण की अन्तर्राष्ट्रीयता को भी लागू करती है, अर्थात् यह Halm के अनुसार पूर्ण राष्ट्रीय सार्वभौमिकता और पूर्ण अन्तर्राष्ट्रीयता के बीच मौद्रिक जगत एक समन्वयक है।

इस तरह, हम निष्कर्ष के रूप में कह सकते हैं कि स्वर्णमान के पतन के बाद

अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक क्षेत्र के होनेवाले कठिनाईयों के अल्पकालीन निदान के लिए I.M.F. की स्थापना हुई। I.M.F. के चार्टर के आधार पर इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं।

(i) अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को प्रोत्साहित करना ताकि द्विपक्षीय व्यापार के बदले बहुपक्षीय अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार बढ़े।

(ii) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए ऐसी सुविधायें प्राप्त करना, जिससे सदस्य राष्ट्रों के बीच रोजगार का ऊँचा स्तर प्राप्त हो सके।

(iii) विनिमय स्थायित्व को प्रोत्साहित करना और विनिमय दर को संतुलित और नियंत्रित करके प्रतिस्पर्धात्मक अवमूल्यन को रोकना।

(iv) सदस्य राष्ट्रों के बीच चालू व्यवस्था से सम्बन्धित बहुपक्षीय भुगतान की व्यवस्था के द्वारा विदेशी मुद्रा की कठिनाई को दूर करने में मदद करना।

(v) समुचित संरक्षण के अन्तर्गत सदस्य राष्ट्रों के लिए कोष के साधनों को उपलब्ध कराकर इनमें विश्वास उत्पन्न करना एवं भुगतान असंतुलन को सुधारने का अवसर प्रदान करना।

(vi) राष्ट्रीय ~~[illegible]~~ भुगतान संतुलन के असंतुलन की अवधि एवं इसकी मात्रा को कम करना।

संगठन

March 1947 से I.M.F. ने काम करना शुरू किया। प्रारम्भ में इसकी सदस्यों की संख्या 44 थी जो अब बढ़कर 1992 की जुलाई में 185 हो चुकी है। I.M.F. का प्रबन्ध 2 संस्थाओं द्वारा होता है — (i) Board of- Governer (ii) Board of- Director। प्रत्येक सदस्य देश Board of- Governers में 5 वर्षों के लिए एक Governer नियुक्त करता है। इसकी बैठक साल में एक बार होती है यह नीति-निर्धारण करता है सदस्यों का कोटा तय करता है सदस्यों को प्रवेश करने की अनुमति देता है Board of- Director का चुनाव करता है विभिन्न सदस्यों की मुद्रा के विनिमय दरों के बारे में